हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शमला में दिनांक 26 नवम्बर 2019 को सं वधान दिवस का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में **26 नवम्बर 2019** को **संविधान दिवस** मनाया गया जिसमें संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के शुरुआत में **श्री अश्वनी कुमार**, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने संस्थान के निदेशक डॉ. एस.एस. सामंत, वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। उन्होंने संविधान दिवस के इतिहास के बारे में पावर पॉइंट प्रस्तुति द्वारा विस्तृत जानकारी प्रदान की।

डॉ. एस.एस. सामंत, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने इस अवसर पर संविधान की उद्देशिका की शपथ दिलाई। तत्पश्चात उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि संविधान के भाग 4क तथा अनुच्छेद-51क के अनुसार भारत के प्रत्येक नागरिक के कुल 11 मूल कर्तव्य हैं जिनकी अनुपलना करके हम अपने व्यक्तिगत स्तर तथा संस्थान स्तर पर सुधार करके अंतत: एक अच्छे राष्ट्र के निर्माण की आशा कर सकते हैं। इसके उपरान्त, उन्होंने संविधान के महत्व के बारे में विस्तृत व महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

श्री राजेंदर पाल, तकनीशियन ने संविधान के निर्माण के बारे में डॉ. भीम राव अंबेडकर जी के योगदान पर अपने विचार प्रकट किए।

श्री प्रवीण कुमार, अवर श्रेणी लिपिक ने कहा कि 26 जनवरी 1950 को इस देश का सविंधान लागू किया गया, जिसमें विश्व के सभी देशों के संविधानों की अच्छी-अच्छी बातों को समाविष्ट किया गया और इसलिए वर्तमान में भारतीय संविधान को श्रेष्ठ संविधान के रूप में जाना जाता है।

कार्यक्रम के अंत में **श्री अश्वनी कुमार**, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने सभी उपस्थित अधिकारियों तथा कर्मचारियों का कार्यक्रम में भाग लेने पर धन्यवाद किया।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

WELCOME
TO
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE
(Indian Council of Forestry Research & Education)
Conifer Campus, Panthaghati, Shimla-171 009 (H.P.)

Celebration of
Constitution Day
26 November 2019
70 Years of the Constitution
WE, THE PEOPLE OF INDIA
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE SHIMLA
HFRI

****